आगा ख़ान डिवलपमेंट नेटवर्क

रंग तरंग

मार्च 2017

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम सहशिक्षा प्रतिभा विद्यालय, निज़ामुद्दीन (पश्चिम), नई दिल्ली

रंग तरंग

मार्च 2017

अधिक जानकारी के लिए, दिए गए कोड को स्कैन करें या
देखें http://www.nizamuddinrenewal.org एंव लाइक करें
www.facebook.com/NizamuddinRenewal

मुझे गर्व है कि इस बार पिछले वर्ष की तरह बार भी रंग तरगं अंक में बच्चों ने बहुत प्यारी कविताएँ एंव कहानियाँ दी हैं। बच्चों ने सामान्य ज्ञान एवं इको-फ्रेंडली वातावरण में सहायक तत्वों की जानकारी भी दी है। इस अंक में प्रकाशित सभी सामग्री बच्चों के निरन्तर विकास में सहायक सृजानात्मक एवं कलात्मक प्रवीणता का सबूत है।

इससे बच्चो में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ रही है तथा भावअभिव्यक्ति का प्रदर्शन भी बढ़ रहा है।

आशा है कि बच्चों द्वारा रचित सभी रचनाएँ कहानियाँ, कविताएँ, चुटकुले, लेख इत्यादि सभी को पसन्द आएंगे। बच्चों को मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएँ।

धन्यवाद सहित

अज़रा इम्तेयाज़
(प्रधानाचार्य)

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम सहशिक्षा प्रतिभा विद्यालय, निज़ामुद्दीन (पश्चिम), नई दिल्ली

निज़ामुद्दीन शहरी विकास नवीकरण

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण । दक्षिण दिल्ली नगर निगम । केंद्रीय लोक निर्माण विभाग
आग़ा ख़ान फाउंडेशन । आग़ा ख़ान ट्रस्ट फॉर कल्चर

School Activities

School Activities

रंग तरंग | मार्च 2017

विषय सूची

कहानियाँ

दरबार में कांव–कांव पृ० 1
लोमड़ी की चालाकी पृ० 2
मोची बना वैद्य पृ० 3
बहादुर सिपाही पृ० 4
बाढ़ ने बनाए दोस्त पृ० 5
गेहूँ का दाना पृ० 6
जंगल की आग पृ० 7

क्यूँ? हँस पड़े ना..

पृ० 8 – पृ० 9

बूझो तो जानें?

पृ० 10 – पृ० 11

कविताऐं

चाँद पृ० 12
अगर पेड़ भी चलते होते पृ० 13
सपनों में खोइ पृ० 14
व्हाटस–एप पृ० 15
कबूतर पृ० 16
गूड मॉर्निंग पृ० 16
चूहा और बिल्ली पृ० 17
हाथी पृ० 17
बिल्ली पृ० 18
दुनिया के मालिक पृ० 18
धूप का चश्मा पृ० 19
हिन्दी भाषा पृ० 19
तंग मुझे करते भैया पृ० 20
शिरीन शेख पृ० 21
नई कहानी पृ० 22

अन्य

खेल प्रतियोगिता पृ० 23
दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश पृ० 24
एक ही शब्द के अनेक नाम पृ० 24
भारत के राज्य व उनकी राजधानी और भाषाएँ पृ० 25
अनमोल वचन पृ० 26
Spot the Differences पृ० 26
क्या आप जानते हैं? पृ० 27
Riddles पृ० 27

दरबार में कांव-कांव

मोफिदा • V – C

अकबर के दरबार में सभी दरबारी बीरबर से जलते थे। और किसी न किसी बहाने बीरबर को फंसाने की कोशिश करते रहते थे।

एक बार अकबर के कान उन्होंने भर दिए। अकबर ने पूरे दरबार के सामने बीरबल से पूछा, "बीरबल क्या तुम हमें बता सकते हो कि आगरा में कुल कितने कौवे हैं?" बीरबल समझ गए कि उन्हे फंसाने की साजिश है। फिर भी उन्होंने मुस्कुरा कहा, जी, बिलकुल बता सकता हूँ। इसके लिए मुझे कल तक का वक्त चाहिए।

अगले दिन बाकी दरबारियों को भी बीरबल का बेसब्री से इंतज़ार था। बीरबल जैसे ही आए, बादशाह अकबर ने कहा, "बोलो बीरबल कितने कौवे हैं इस शहर में? बीरबल ने फ़ौरन जवाब दिया बादशाह इस वक्त आगरा में 88429 कौवे हैं।" एक दरबारी बोला, आप इस संख्या को लेकर पूरी तरह निश्चिंत है? बीरबल बोले "हाँ पूरी तरह से निश्चित हूँ। अगर आपको शंका है तो खुद गिन सकते हो" दूसरे दरबारी ने कहा, अगर इनकी संख्या कुछ कम या ज़्यादा हुई तो? बीरबल ने कहा, अगर ज़्यादा हुई तो इसका मतलब कौवों के कुछ मेहमान उनसे मिलने आए है और अगर कम हुई तो इस शहर के कौवें दूसरे शहर अपने रिश्तेदारों से मिलने गए होंगे।

सानिया • III – C, इलमा • III – A

लोमड़ी की चालाकी

सोनिया, अरजीना • V – A

एक बहुत बड़ा जगंल था। उस जगंल में बहुत सारे जंगली जानवर रहते थे। उस जंगल का राजा शेर था और उसका दोस्त लोमड़ी था। वे दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे। दोनों एक साथ भोजन करते और साथ–साथ रहते थे। एक दिन शेर बीमार पड़ गया। उसने दो दिन से भोजन भी नही किया था।

अगले दिन लोमड़ी आया और शेर ने उससे कहा "मुझे बहुत भूख लगी है। मैनें दो दिन तक कुछ नही खाया। मेरे दोस्त मेरे लिए कोई शिकार लेकर आओं वरना मैं मर जाउँगा।"

लोमड़ी ने कहा अभी लाता हूँ। लोमड़ी बहुत चालाक था उसने सोचा क्यों न मैं कुछ ऐसा करुँ कि शिकार मेरे पास खुद आ जाए।

लोमड़ी को एक गधा दिखाई दिया जो घास खा रहा था। लोमड़ी उसके पास गया और उससे कहा "मैं और शेर तुम्हें अपना दोस्त बनाना चाहते है।"
गधा खुश हो गया और कहने लगा "शेर मुझे दोस्ती करना चाहता है?" लोमड़ी बोला "हाँ! अब चलो मेरे साथ।"

लोमड़ी गधे को शेर की गुफा में ले गया। अन्दर आते ही शेर ने गधे को दबोच लिया। उसने लोमड़ी से कहा कि तुम इस गधे का ध्यान रखों मैं अभी आया। पर इस गधे का दिमाग, मैं ही खाऊगाँ। लोमड़ी ने कहा ठीक है।

अब लोमड़ी सोचने लगा कि शिकार तो मैनें किया है तो दिमाग भी मुझे ही खाना चाहिए। और लोमड़ी ने गधे का दिमाग खा लिया।

शेर जब वापस आया तो उसने लोमड़ी से पूछा "गधे का दिमाग कहाँ गया?" लोमड़ी ने कहा "महाराज गधे का दिमाग तो था ही नहीं। अगर दिमाग होता तो वह यहाँ आता ही क्यों?

शेर ने कहा "सही कह रहे हो दोस्त" और दोनों शिकार खाने में जुट गए।

चित्रः **खुशी मिर्जा** • V – C

मोची बना वैद्य

महक • IV – B

एक बार किसी शहर में एक मोची रहता था। वह इतना ग़रीब था कि अपने ख़र्चे भी पूरे नही कर पाता था। अपनी ग़रीबी से वह बहुत दुखी था। वह रोज़ भगवान से दुआ करता "हे भगवान मैं इतनी मेहनत करता हूँ पर फिर भी अधिक नही कमा पाता मेरी मदद करो!"

एक दिन मोची को एक उपाय सूझा, उसने सोचा, क्यों न मैं किसी और शहर में जाकर एक नया काम शुरु करुँ? अगले दिन उसने अपना सामान बाँधा और दूसरे शहर चला गया। उसने वहाँ नया काम शुरु कर दिया। वह वैद्य बन गया जबकि उसे दवाईयों की कोई पहचान नही थी। उसने बेइमानी से पैसा कमाना शुरु कर दिया। लोग उसकी दवाईयाँ खरीदने लगे और वह अमीर हो गया।

जब राजा को मोची के बारे में पता चला तो उन्होने खुद दवाईयों की जाँच करने की योजना बनाई। इत्तेफ़ाक से एक दिन मोची बीमार हो गया। राजा को पता चला तो वह उससे मिलने गए। राजा ने मोची को उसी की दवा खिलाई। मोची को पता था कि उसकी दवाई नकली है। वह दवाई पीकर और बीमार पड़ जाए इसी डर से मोची ने राजा को सब सच–सच बता दिया। राजा मोची को जनता के सामाने लाया और उसका जुर्म कबुल करवाया और शहर से निकाल दिया।

महक, मुसकान • V – A

बहादुर सिपाही

गुनगुन • V – C

एक बार दो पड़ोसी देशों ने आपस में युद्ध की घोषणा कर दी। दोनों देशों ने अपनी–अपनी सेनाओं को युद्धक्षेत्र में जाने का आदेश दे दिया। दो सिपाही जो एक ही देश की सेना में थे, युद्धक्षेत्र की ओर जा रहे थे कि रास्ते में एक डाकू ने आक्रमण कर दिया।

डाकू को अचानक सामने देखकर दोनों सिपाही चौंक गए। डाकू ने धमकी दी सारा सामान दे दो वरना, मार डालूगाँ।

एक सिपाही ने डाकू से कहा इसके लिए तुम्हें हमसे लड़ना होगा। परंतु दूसरा सिपाही वहाँ से भाग गया। बहादुर सिपाही ने तलवार निकाली और डाकू को मार दिया।

डाकू के मरने के बाद कायर सिपाही वापस आया और कहने लगा यदि मैं भी यहाँ होता तो डाकू को दिखाता कि हम जैसे सैनिकों से लड़ने का यही नतीजा होता है। इसने हम पर आक्रमण करके गलती की है।

कायर सिपाही की बातें सुनकर बहादुर सिपाही को गुस्सा आया। असने कहा कि किसी और को यह किस्सें सुनाना। तुम कितने कायर हो मैं जानता हूँ। यह सब सुनकर कायर सिपाही रोने लगा और कहा अब वह ऐसा कभी नही करेगा।

अमन • V – C

बाढ़ ने बनाए दोस्त

कादिरी • IV – A

पता नही बारिश कब बंद होगी? मोंटी बदंर ने आसमान में देखते हुए कहा। पूरे जंगल में पानी ही पानी। लेकिन बारिश बंद होने का नाम ही नहीं ले रही थी।

तभी वह टहनी टूट गई जिसमें मोंटी बदंर बैठा था। वह धम्म से पानी में गिरा और बहने लगा। रास्ते में एक पेड़ की पतली सी टहनी दिखाई दी। उसने झट से उसे पकड़ा और पेड़ पर चढ़ गया। उसी समय मोंटी ने एक नन्हीं सी गिलहरी को देखा जो बहे जा रही थी। मोंटी ने थोड़ा पास आकर उस गिलहरी से कहा मेरा हाथ पकड़ों। गिलहरी ने उसका हाथ पकड़ लिया और वह भी मोंटी के साथ पेड़ पर चढ़ गई।

गिलहरी ने मोंटी को धन्यवाद कहा। तभी एक बिल्ली और चूहे की आवाज़ आई। "कोई हमें बचाओ"। मोंटी ने एक डाल तोड़ी और दोनों की ओर फेंका। बिल्ली ने तेज़ी से झपट कर डाल को पकड़ा और चूहे का हाथ पकड़ उसे अपनी ओर खींच लिया। मोंटी ने दोनों को पेड़ पर चढ़ा लिया। अब चूहा, बिल्ली, गिलहरी और बंदर एक साथ पेड़ पर बैठे पानी कम होने का इंतजार करने लगे। धीरे–धीरे पानी कम हो गया। सभी एक–दूसरे के दोस्त बन गए और एक साथ मिलकर रहने लगे।

सानिया • III – C

गेहूँ का दाना

साहीबा • III – C

मेंचो की एक बहन थी मुन्नी!वह बहुत नटखट थी। कभी इधर तो कभी उधर। चीज़ो को उठा–पटक करना। बड़ों को कोई काम करता देख खुद भी करना। यह सब उसकी रोज़ाना की शरारतों में शामिल था।

एक दिन मेंचो छत पर गेहूँ सुखा रही थी। तभी मुन्नी आ गई और उसके साथ गेहूँ सुखाने लगी। गेहूँ सुखाते–सुखाते मुन्नी का पैर फिसला। और वह गेहूँ पर गिर गई। गेहूँ का एक दाना उसकी नाक में घुस गया। उसके साँस लेने में दिक्कत होने लगी। मेंचो को एक तारकीब सूझी। उसने मुन्नी से कहा "नाक का एक छेद बंद करो और ज़ोर से साँस बाहर मारो" मुन्नी ने वैसा ही किया और गेहूँ का दाना झट से बाहर आ गिरा।

मीराजुल • V – C

जंगल की आग

खुशबू • III – A

एक बार जंगल में आग लग गई। सभी पशु–पक्षी डर गए। जंगल में भगदड़ मच गई। अपनी–अपनी जान बचाने के लिए सब भ. ागने लगे। चीं–चीं चिड़िया पास की नदी से चोंच में पानी भरकर लाई। और आग में डालने लगी। उसे ऐसा करते देखा तो बंदर, भालू, हाथी सब ने चीं–चीं से बोले–मूर्ख चिड़िया अपनी जान बचाओ भागो यहाँ से। आग नही, बुझेगी चिड़िया बोली– मुझे पता है कि मेरे अकेले करने से कुछ नही होगा। अगर हम सब मिलकर कोशिश करें तो आग बुझ सकती है। चिड़िया की बात उन्हें समझ में आ गई। सब नदी से पानी लेकर आए। सबने मिलकर कोशिश की और आग बुझ गई।

रिहान • II – B

क्यूँ? हँस पड़े ना...

1

पति – अर्ज़ करता हूँ कि
जग घूमियां थारे जैसा न कोई।

पत्नी – घर की साफ़–सफाई में हाथ बंटाओ
वरना दिमाग घूमिया तो म्हारे जैसे न कोई।

2

टीचरः मैने तुम्हे गधे पर निबंध लिखने को कहा था। लिख कर क्यों नहीं लाए।
सरः जैसे ही मैने गधे पर पेन रखा, वो मुझे ज़ोरदार दुलत्ती मार के ढ़ेचू ढ़ेचू करता चलता बना।

3

पतिः रेडियों पर बिजी था
पत्नीः आप क्या सुन रहे हैं?

पतिः मोदी जी के मन की बात।
पत्नीः मेरी तो कभी सुनते नहीं?

पतिः तुम जो कहती हो उसे मन की बात नही "मन की भड़ास" कहते हैं।

4

क्या आपने कभी सोचा है? अस्पताल में ऑपरेशन से पहले मरीज़ को बेहोश क्यों किया जाता है? अगर बेहोश नही किया और मरीज़ ऑपरेशन करना सीख गए। तो डॉक्टर को कौन पूछेगा?

5

संताः मुझे शादी में BMW मिली है
बंताः पर तुम्हारे पास तो कोई कार नही है
संताः अरे BMW का मतलब "बहुत मोटी वाईफ"

6

एक बदमाश छात्र का महाज्ञान
किताबें बहुत पवित्र होती है....
इसलिए...
किताबों को छूना नही चाहिए।

7

माँ: कहाँ था सारी रात?

बेटा: इमोशनल फिल्म देखने गया था "प्यारी माँ"

माँ: अंदर तेरे पापा इंतेज़ार कर रहे है अब वो दिखाएगें एक्शन फिल्म "ज़ालिम बाप"

8

चींटी: ऑटो में एक पैर बाहर करके बैठती है

ऑटो ड्रायवर: मैडम पैर अन्दर करके बैठिये

चींटी: नही। अभी रास्ते में हाथी मिलेगा उसे लात मारनी है।

9

पप्पू: मैडम आपके बेटे ने मच्छर खा लिया

मैडम: तो जल्दी से डॉक्टर को बुलाओ

पप्पू: अब डरने की कोइ बात नही है मैडम मैनें ऑल आउट पिला दिया है

10

पति: तुम छत से क्यों कूदीं

पत्नि: मैं बालकनी पर कपड़े सुखा रही थी तभी भूकंप आया और मै छत से गिर गई

पति: ओह! सॉरी मुझे लगा तुम्हारे गिरने से भूकंप आ गया

11

पति: आज डॉक्टर साहब कह रहे थे कि जो ज़्यादा बोलते है। उनकी उम्र कम हो जाती है।

पत्नि: ओह! तभी सब कहते है कि मै चालीस की उम्र में बीस की लगती हूँ।

बरीरा • III – B | इरम • II – B | लूसपिका • IV – A | शहनाज़ • III – B
आतिफ • III – B | मुसकान • IV – A | महक • IV – A | बिलाल • V – C

बूझो तो जानें?

1
नीचे पटको ऊपर जाती
ऊपर से फिर नीचे
ऊँची–ऊँची कूद लगती
गोल–गोल हूँ तुमको भाती

2
एक पहेली में कहूँ
सुनलो मेरे पूत
बिन पैर के उड़ेगें
बाँध गले में सूत

3
उसके कान पर मेरा पंछी
मेरे कान पर उसका पंछी
पास नहीं हम दोनों फिर भी
बातें कर रहे हम फिर भी

4
इतना मोटा मेरा पेट
सारे जग को लेता समेट
रोज़ सवेरे ही आ जाता
सबके मन को है यह भाता

5
गर्मी में तुम मुझको खाते,
मुझको पीना हरदम चाहते,
मुझसे प्यार बहुत करते हो,
पर भाप बनूँ तो डरते हो।

6
तुम हो सबसे प्यारे
रोज़ सुबह
छिप जाते हो रुप
बदल फिर आते हो

7
फलों का राजा है
सबके मन को भाता है
कच्चा पक्का हम सब खाते
खा करके हम मौज मनाते।

8
रंग हरा लाल है चोंच लिए
कंठ माला काली
आँखे चमकाता मतवाली

9
दो सुन्दर लड़के दोनों एक
रंग, एक बिछड़ जाए तो दूसरा
काम न आए?

10
हरी डंडी लाल कमान
तोबा तोबा करे इन्सान
बातओ क्या?

11
एक गुफा के दो रखवाले
दोनों लम्बे दोनों काले

12

बूझो भाई एक पहेली जब
काटो तो नई नवेली

13

तीन परों की तितली
नहा धो के तेल से निकली

14

कोने में लटकी–लटकी
जाल बुनती रहती
चिपचिप घर बनाती
मक्खियाँ चिपक जाती

15

मैं फल तो नही हूँ
पर पेड़ से ही आता हूँ
मेरे ऊपर ही तुम लिखते
कभी चिड़िया तो कभी
जहाज बनाते

16

मैं हूँ मीठा और कड़वा
कभी काला कभी सफेद
हर कोई मुझे पंसद करता
कोई चबाता कोई चूसता
बोलो क्या?

17

बहुत मज़े करता हूँ
जब पैरो की ठोकर खाता हूँ
लुढ़कना जब बंद करता
तो खेल का अंत होता है।

18

दो सुंदर लड़के
दोनों एक रंग के
एक बिछड़ जाए
ते दूसरा काम न आए

19

ऐसा कौन सा परदा है
जो लगा नही सकते

उत्तर:

1. गेंद 2. पतंग 3. मोबाईल 4. अखबार 5. पानी 6. चंदा मामा 7. आम 8. तोता 9. जूता
10. लाल मिर्च 11. मूँछ 12. पेंसिल 13. समोसा 14. मकड़ी 15. कागज़ 16. चॉकलेट 17. फुटबॉल
18. जूते 19. जय परदा

आलमीन, हुसैन • V – A | इब्राहीम ख़ान • मदरसा महद शेख निज़ामुद्दीन
रानी • V – C | खुशी • III – B | मोहम्मद • IV – A | रेहान • IV – A

चाँद

शाज़िया • V-C

तुम नदी पर जाकर देखो
जब नदी में नहाए चाँद
कैसे लगाई डुबकी उसने
डर है डूब न जाए चाँद

किरणों की एक सीढ़ी लेकर
छुप–छुप उतरा आए चाँद
जब तुम उसको पकडने जाओ
पानी में छुप जाए चाँद

अब पानी में बैठा है
कई–कई रुप दिखाए चाँद
चाहे जिधर को जाओ अक्सर
साथ तुम्हारे जाए चाँद

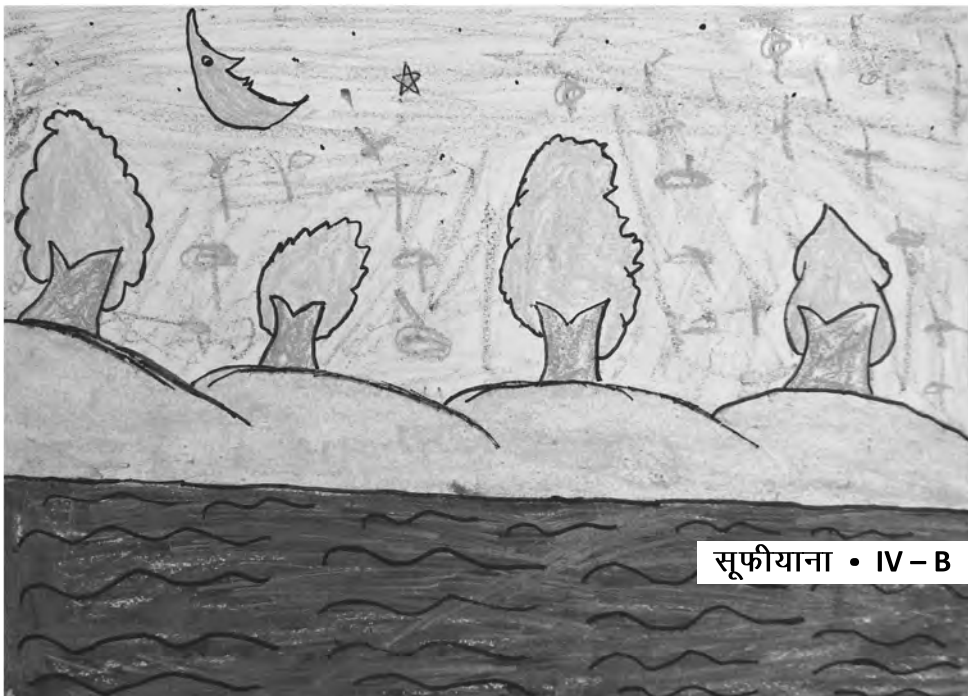

सूफीयाना • IV – B

अगर पेड़ भी चलते होते

करीमा • V – A

अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मज़े हमारे होते
बांध तने में उस के रस्सी
चाहे जहाँ कहीं ले जाते

जहाँ कहीं भी धूप सताती
उसके नीचे झट सुस्ताते
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती
उसके नीचे हम छिप जाते

लगती जब भी भूख अचानक
तोड़ मधुर फल उसके खाते
आती कीचड़ बाढ़ कहीं तो
झट उसके ऊपर चढ़ जाते

अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मज़े हमारे होते

हामिदा • V – B

सपनों में खोइ

अरजीना करीमा • V – A

बिस्तर पर मैं सोई थी
सपनों में मैं खोई थी

एक परी उड़ कर आई
मुझे देखकर वह मुसकाई

तरह–तरह के दे उपहार
चली गई वो पंख पसार

अरजीना करीमा • IV – B

ता-ता-थैया

मुस्कान • IV – B

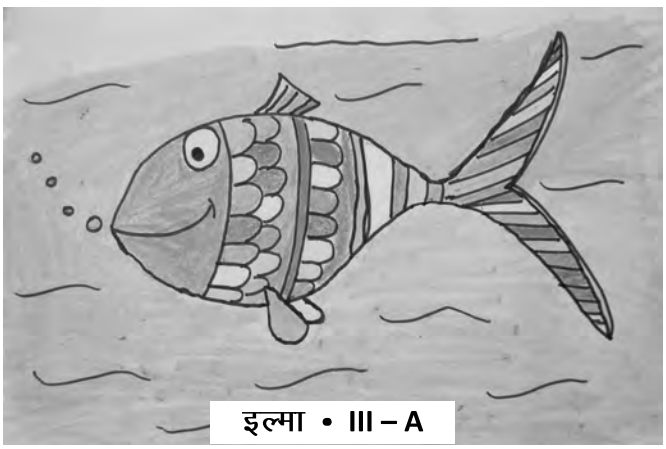

इल्मा • III – A

मछली रानी, मछली रानी
आज झमाझम बरसा पानी

घर आँगन सब ताल–तलैया
कागज़ की चलती है नैया

छपक–छपक सब खेल रचाते
ता–ता–थैया ता–ता–थैया

व्हाट्स एप

समीरा • V – B

जोड़ दिये सब टूटे रिश्ते
बरसो पहले छूटे रिश्ते
फैमली को परिवार कर दिया
व्हाट्स–एप ने कमाल कर दिया

सेंस ऑफ ह्यूमर तेज़ हो गया
भोंदू भी अंग्रेज हो गया
कॉपी पेस्ट का जाल कर दिया
व्हाट्स–एप ने कमाल कर दिया

पाँचवी फेल भी लॉयर बन गए
हर कोई किक्रेट अम्पायर बन गए
संसद सा माहौल कर दिया
व्हाट्स–एप ने कमाल कर दिया

बीवी फोन में बिज़ी हो गई
पति भी इसमें कहीं खो गए
लड़ना–झगड़ना बंद कर दिया
व्हाट्स–एप ने कमाल कर दिया

चित्रः **मरियम** • V – B

कबूतर

मुस्कान • IV – B

जब देखो गर्दन मटकातें
गुटर–गुटर गुँ गीत सुनाते

दाना डालो झटपट आतें
पास पहुँचते ही उड़ जाते

रहते मिलकर सभी कबूतर
नहीं झगड़ते कभी कबूतर

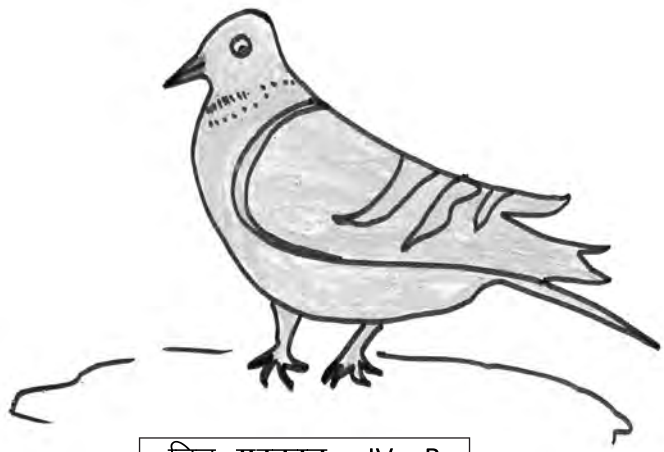

चित्रः **मुस्कान** • IV – B

गुड मॉर्निंग

वाहिदा • V – A

गुड मॉर्निंग, गुड मॉर्निंग
जल्दी उठो ये है वार्निंग

जल्दी हो जाओ तुम फ्रेश
मुँह धोकर के कर लो ब्रश

यूनीफॉर्म पहन कर जाना
पढ़ते–पढ़ते न घबराना

सबके प्यारे बन जाओगे
राजदुलारे कहलाओगे

चित्रः **महक** • IV – B

चूहा और बिल्ली

समीरा • V – B

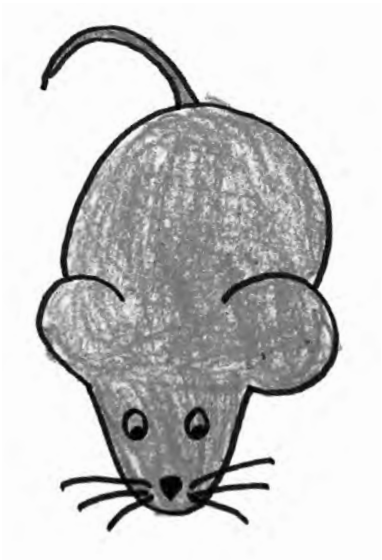

चित्रः **मुमताज़** • IV – A

बिल्ली बोली म्याऊँ–म्याऊँ
चूहा बोला जाऊँ–जाऊँ

बिल्ली बोली अभी न जा
ले मुझसे टॉफी तो खा

चूहा बोला माफ़ करो
पहले दिल को साफ़ करो

टॉफी दे बहलाओगी
फिर मुझको खा जाओगी

हाथी

सादीया • I – A

हाथी राजा बहुत बड़े
सूंड हिला कर कहाँ चले?

हमारे घर भी आओ न
हलवा–पूरी खाओ न

आओ बैठो कुर्सी पर
कुर्सी बोली चुटुर–पुटुर

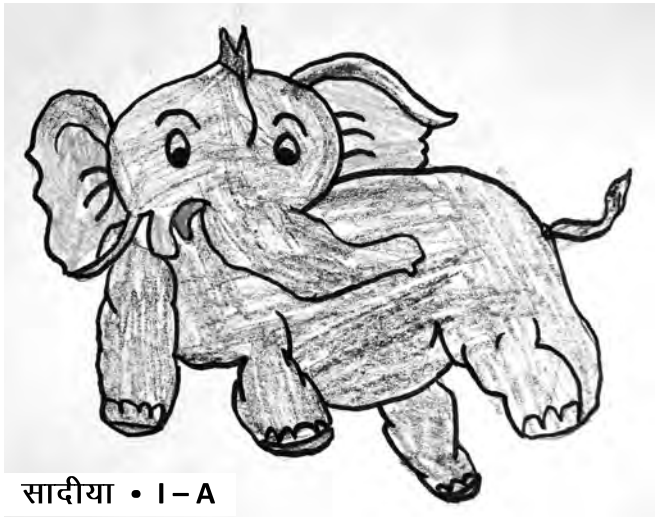

सादीया • I – A

बिल्ली

शाहीदा • II – C

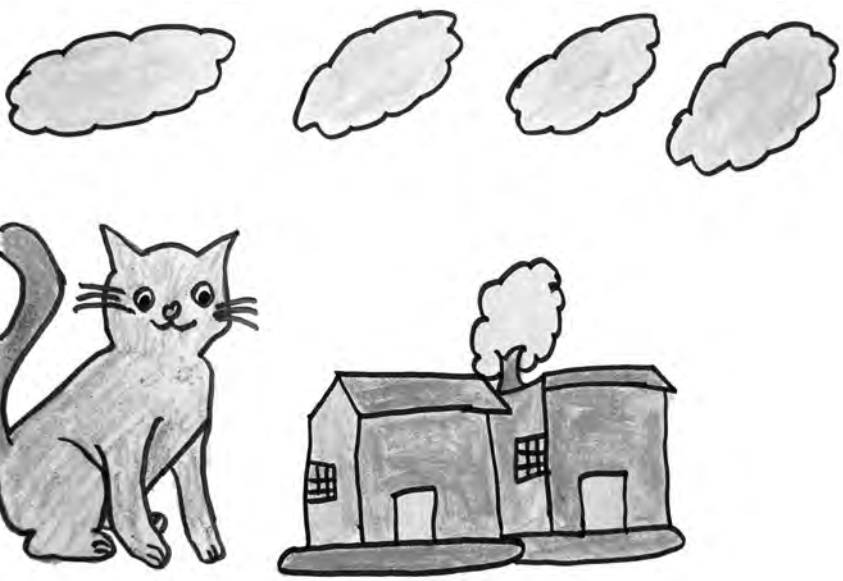

म्याऊँ, म्याऊँ करती आती
घर के चूहे चट कर जाती

मौका मिले तो दूध न छोड़े
आहट पाते ही यह दौड़े

चित्रः **लुसपिका** • IV – A

दुनिया के मालिक

तसमिना • IV – A

ऐ दुनिया के बाग के मालिक, ऐ अपने बंदो के वाले
दिल के मालिक जान के मालिक, दुनिया और जहान के मालिक

दूसरा तुझसा कोई नही है, तुझसा दाता कोई नही है
हिम्मत दे कुछ काम करें हम, जग में रोशन नाम करे हम

धूप का चश्मा

रेहाना • V – A

मेरा चश्मा बड़ा निराला
काले–काले शीशों वाला
धूप में इसको जब मैं लगाऊँ
तेज़ रोशनी से बच जाऊँ

तेरा चश्मा पढ़ने वाला
मेरा चश्मा नीला–काला
सब चश्मों का मज़ा निराला
क्यों घबराते हो तुम लाला

हिन्दी भाषा

करीमा • V – A

हिन्दी मेरी भाषा है
हिन्दी मेरी आशा है
हिन्दी का उत्थान करना
यही मेरी जिज्ञासा है

हिन्दी की बोली अनमोल
एक शब्द के कई विलोम

हिन्दी हिमालय पर शोभित
कई हुए अंग्रेज़ी से लोभित
हिन्दी में सब काम करेंगे
हिन्दी का हम मान रखेंगे

तंग मुझे करते भैया

वसीम • III – B

डैडी कहते करो पढाई
फिर खाने को मिले मिठाई
सब बच्चों से करके मेल
अंकल कहते खेलो खेल

मामा मुझे दिखाते मेला
नाना लाकर देते केला
जब मम्मी से मिलती मार
दादी अम्मा करती प्यार

दादा अपने पास बिठाकर
खेल खिलाते मुझको जी भर
गोद बिठा कर मुझको नानी
अच्छी–अच्छी कहे कहानी

तंग मुझे करते हैं भैया
ले जाते है छीन रूपया

उजूफा • IV – A

शिरीन शेख (विद्यालय की पूर्व छात्रा) राष्ट्रपति माननीय श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा पुरस्कार लेते हुए

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत
National Innovation Foundation - India

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार-२०१६

भारत को नवप्रवर्तनशील एवं सृजनशील बनाने के
अभियान के अन्तर्गत हम सहर्ष

शिरीन शेख
को
खाने का डिब्बा, जो खाने से पहले और बाद में हाथ धोने की याद दिलाए
नवाचार के लिए
सम्मानित करते हैं।

नई कहानी

सईदा नसरीन • II – A

हम न सुनेंगे अब ये कहानी
एक था राजा एक थी रानी

नई कहानी हमें सुनाओ
अम्मी हमारा जी बहलाओ

हम न सुनेंगे शेर का किस्सा
आ जाता है हमको गुस्सा

हम तो सुनेंगे किस्सा ऐसा
एक हो बच्चा अपने जैसा

पार करे वो सात समंदर
सैर करे आकाश पर जाकर

दिल में वह झूला–झूले
चाँद–सितारों को भी छूले

अम्मी! मेरी अच्छी अम्मी
कह दो आज कहानी ऐसी

लकमान • IV – B

खेल-प्रतियोगिता

रोशनी • V – C

हर साल की तरह इस साल भी हमारे स्कूल में खेल–प्रतियोगिता हुई। जिसमें मैने और स्कूल के सभी बच्चों ने भाग लिया। हमने नींबू रेस, 100 मीटर दौड़, बोरा रेस आदि प्रतियोगिता में भाग लिया। नर्सरी व पहली कक्षा के बच्चों को टॉफी रेस करवाई गई। रेस के बाद सभी बच्चों ने टॉफी भी खाई। इस प्रतियोगिता में बहुत मज़ा आया। प्रतियोगिता के अंत में सभी बच्चों को उपहार बाँटे गए।

दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश

अब्दुल कादिर • मदरसा जामिया अरबिया निजामिया, मदीना मस्जिद

1	चीन	1,373,541,278
2	भारत	1,266,883,598
3	संयुक्त राष्ट्र अमेरिका	323,995,528
4	इंडोनेशिया	258,316,051
5	ब्राजील	205,823,665
6	पाकिस्तान	201,995,540
7	नाइजीरिया	186,053,386
8	बंगलादेश	156,186,882
9	रूस	142,355,415
10	जापान	126,702,133

एक ही शब्द के अनेक नाम

रमज़ान • IV – B

1	पानी	नीर, जल
2	फूल	पुष्प, कुसुम
3	आसमान	गगन, आकाश
4	औरत	महिला, स्त्री
5	आँख	नयन, लोचन
6	आग	अग्नि, पावक

भारत के राज्य व उनकी राजधानी और भाषाएँ

लुकमान • IV – B

	राज्य	राजधानी	भाषाएँ
1	असम	दिसपुर	असमिया
2	अरूणाचल प्रदेश	इटानगर	मोनपा, मिजी, न्यीशी, दाफला इत्यादि
3	बिहार	पटना	हिन्दी, भोजपुरी
4	आन्ध्र प्रदेश	हैदराबाद	तेलगु, उर्दू
5	छत्तीस गढ़	रायपुर	हिन्दी
6	मध्य प्रदेश	भोपाल	हिन्दी
7	गोवा	पणजी	कोंकणी, मराठी
8	महाराष्ट्र	मुंबई	मराठी
9	हरियाणा	चंड़ीगढ	हरयाणवी, पंजाबी़
10	पंजाब	चंड़ीगढ	पंजाबी
11	गुजरात	गांधी नगर	गुजराती
12	कर्नाटक	बैंगलुरू	कन्नड
13	हिमाचल प्रदेश	शिमला	हिन्दी, पहाड़ी
14	झारखंड	रांची	हिन्दी, भोजपुरी
15	जम्मू और कशमीर	श्रीनगर (शरद ऋतु) जम्मू (ग्रीष्म ऋतु)	कशमीरी, डोंगरी
16	केरल	तिरूअंतपुरम	मलयालम
17	मणीपुर	इंफाल	मणीपुरी
18	मेघालय	शिलांग	खासी, गैरो, अंग्रेज़ी
19	मीज़ोरम	आईज़ोल	मीज़ो, अंग्रेज़ी
20	नाग़ालैण्ड	कोहिमा	आओ, चांग, लोथा
21	उढ़ीसा	भुवनेश्वर	उढ़िया
22	राजस्थान	जयपुर	राजस्थानी, हिन्दी
23	सिक्किम	गंगटोक	भूतिया, नेपाली
24	तमिलनाडू	चेन्नई	तमिल
25	त्रिपुरा	अगरतला	बंगाली, मणीपुरी
26	उत्तर प्रदेश	लखनउ	हिन्दी, उर्दू
27	उत्तराखण्ड	देहरादून	हिन्दी
28	पश्चिमी बंगाल	कोलकाता	बंगाली

अनमोल वचन

अनवरी • V – A

शान्ति का कोई रास्ता नही है
केवल शान्ति है।

जो समय बचाते हैं वे धन बचाते हैं
और बचाया हुआ धन कमाए हुए
धन के बराबर है।

(महात्मा गाँधी)

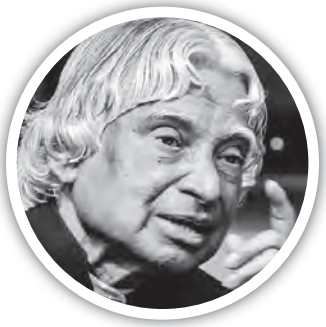

आपके सपने सच हों इसके लिए
ज़रुरी है कि आप सपने देखें।

छात्र को सवाल ज़रुर पूछने चाहिए।
यह उनका सबसे अच्छा गुण है।

(डॉ0 ए. पी. जे अबुल कलाम)

Let's see... How many DIFFERENCES can you SPOT?

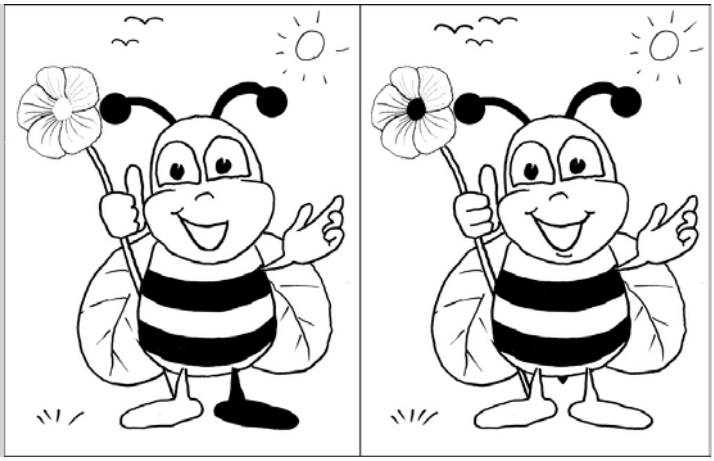

क्या आप जानते है ?

मोहम्मद ख़ुबैब • मदरसा महाद–अल–शेख निज़ामुद्दीन

1	नवजात बच्चा एक मिनट में एक या दो बार ही पलकें झपकाता है जबकि बड़े होने पर एक मिनट में आँखें दस बार तक झपकती हैं।
2	जानवरों के मुकाबले इंसानों की नाक, कान व आँखें कमज़ोर होती हैं।
3	एक बार खाए गए खाने के पूरी तरह पचाने में शरीर को बारह घंटे का वक्त लगता है।
4	मनुष्य के शरीर में दो सौ छः हड्डियाँ होती हैं।
5	मनुष्य का हृदय एक मिनट में बहत्तर बार धड़कता है।
6	मनुष्य के शरीर की सबसे बड़ी हड्डी जंघास्थि (फीमर) होती है। इस हड्डी की लम्बाई मनुष्य की लम्बाई की सत्ताइस प्रतिशत होती है।
7	मनुष्य के मस्तिष्क का वज़न 3 पौंड के लगभग होता है।
8	मनुष्य श्वास में ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बन डाईऑक्साइड गैस छोड़ते हैं।
9	मनुष्य की खोपड़ी में 22 अस्थियाँ होती हैं।
10	रीढ़ में अस्थियों की कुल संख्या 33 है।
11	चेहरे पर बनी भौहें पसीने को आँखों में जाने से रोकती हैं।
12	मनुष्य के शरीर की सबसे छोटी हड्डी स्टेपस होती है।

Riddles

Rani • V – B

1 I am light as a feather, Yet the strongest man can't hold me for more then 10 minutes

2 What is always coming but never arrives

Answers: 1. Breadth 2. Tomorrow

School Activities

School Activities

School Activities

School Activities